सांध्य दैनिक 4PM

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

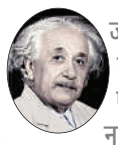

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 282 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 19 नवम्बर, 2021

मिशन यूपी: अब विपक्षी दलों में... 3 | लखनऊ के गोमतीनगर में तीन... 7

चुनावों को लेकर दबाव में थी मोदी सरकार अंततः तीनों काले कृषि कानून वापस लेने का किया ऐलान

आंसुओं की जीत

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

चुनाव से पहले भाजपा का मास्टर स्ट्रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा। 14 महीने की तकरार, एक साल लंबा आंदोलन, 11 दौर की बातचीत, सुप्रीम कोर्ट का दखल और 700 से ज्यादा किसानों की मौत के बाद पीएम मोदी ने आज सुबह नौ बजे देश के नाम संबोधन में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की। इसी महीने होने वाले संसद सत्र में इसकी कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पीएम मोदी ने कहा, मैं देश की जनता से सच्चे और नेक दिल से माफी मांगता हूं। हम किसानों को नहीं समझा पाए। हमारे प्रयासों में कुछ कमी रही होगी कि हम कुछ

किसानों को मना नहीं पाए। किसानों ने पिछले साल जुलाई में पंजाब में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ अपना विरोध शुरू किया था। उन्होंने पिछले साल नवंबर में विरोध के रंगमंच को दिल्ली की सीमाओं पर स्थानांतरित कर दिया। किसानों के प्रतिनिधियों और केंद्रीय मंत्रियों के बीच लगभग एक दर्जन दौर की वार्ता गतिरोध को हल करने में विफल रही। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनिश्चित काल के लिए कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के बावजूद किसान तीन कानूनों को निरस्त करने की अपनी मांग पर अड़े रहे। अंततः आज देश का अन्नदाता जीत गया। वहीं विपक्ष ने मोदी सरकार व बीजेपी को निशाने पर लेते हुए कहा कि पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर दबाव में थी मोदी सरकार इसलिए तीनों काले कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया है।

“ किसान आंदोलन तत्काल वापस नहीं लेंगे। हम उस दिन का इंतजार करेंगे जब कृषि कानून को संसद में रद्द किया जाएगा। सरकार एमएसपी के साथ किसानों के दूसरे मुद्दों पर भी बातचीत करे।

– राकेश टिकैत, प्रवक्ता भाकियू

बीजेपी को किसानों के हित से नहीं, वोट से मतलब : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी को किसानों के हित से नहीं, वोट से मतलब है। हालांकि उन्होंने कृषि कानूनों की वापसी लोकतंत्र की जीत बताया। अखिलेश ने कहा जिन किसानों ने जानें गवाईं है, उनके परिवारवाले कभी बीजेपी को माफ नहीं करेंगी। साथ ही किसानों की फसल का उचित दाम न मिलने पर जनता माफ नहीं अगले चुनाव में साफ करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि अमीरों की भाजपा ने भूमि अधिग्रहण व काले कानूनों से गरीबों-किसानों को ठगना चाहा। कील लगाई, बाल खींचते कार्टून बनाए, जीप चढ़ाई लेकिन सपा की पूर्वांचल की विजय यात्रा के जन समर्थन से डरकर काले-कानून वापस ले ही लिए। भाजपा बताए सैंकड़ों किसानों की मौत के दोषियों को सजा कब मिलेगी।

“ सरकार ने किसानों से संवाद का काफी प्रयास किया, लेकिन किसी स्तर पर कमी होने के कारण जब बात नहीं बनी तो प्रधानमंत्री ने बड़ा दिल दिखाया। मैं प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम का स्वागत करता हूं।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

“ आंदोलनजीवी, गुंडे, आतंकी और देशद्रोही किसानों को क्या-क्या कहा गया? मगर अब सरकार को समझ आ गया है कि देश में किसानों से बड़ा कोई नहीं है। माफी मांगने से क्या होगा? पहले वो अपने मंत्री को बर्खास्त करें, जिनके बेटे ने किसानों को कुचला।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

“ लंबे समय से आंदोलन कर रहे किसानों की मेहनत रंग लाई है। केंद्र सरकार ने उन विवादित कानूनों को वापस लेने की घोषणा अति देर से की जबकि उनको यह फैसला बहुत पहले ले लेना चाहिए था।

मायावती, बसपा प्रमुख

“ कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला भी ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री हमेशा किसानों के बारे में सोचते हैं। मैं इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का स्वागत करता हूं।

ब्रजेश पाठक, कानून मंत्री

“ ये किसान आंदोलन की जीत और मोदी के अहंकार की हार है। आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिवार को एक-एक करोड़ मुआवजा, सरकारी नौकरी और शहीद का दर्जा दिया जाये।

संजय सिंह, सांसद आप

“ आखिरकार अन्नदाता जीत गया। सरकार को झुकना ही पड़ा। यह किसानों की जीत है, हम सबकी जीत है। देश की जीत है। किसानों को बधाई।

जयंत चौधरी, अध्यक्ष रालोद

यूपी चुनाव : राजनाथ सिंह के हवाले अवध खीचेंगे जीत का खाका

बूथ अध्यक्षों को युद्ध कौशल सिखाएंगे प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री और अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2014, 2017 और 2019 में विरोधी दलों को परास्त कर चुकी भारतीय जनता पार्टी ने फिर बूथ पर ही मोर्चा सजाने की पूरी तैयारी कर ली है। चुनावी युद्ध में जमीनी लड़ाका कहे जाने वाले लगभग पौने दो लाख बूथ अध्यक्षों को रण-कौशल सिखाने के लिए जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश आएंगे। जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह के कार्यक्रम तय हो गए हैं, जबकि अमित शाह के सम्मेलनों के लिए तारीख घोषित नहीं हुई है। साथ ही चार विजय संकल्प यात्राओं से यूपी मथने की भी रूपरेखा बनाई गई है।

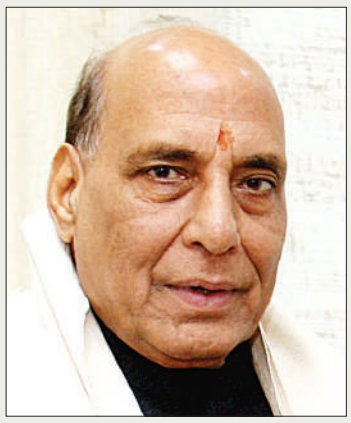

भाजपा के राष्ट्रीय और उत्तर प्रदेश नेतृत्व की दिल्ली में हुई अहम बैठक में मिशन 2022 पर गहन विचार-विमर्श हुआ। सबसे खास बात यह है कि जमीनी स्तर पर लड़ाई को मजबूत करने के लिए पार्टी ने ऐसे तीन महारथियों को जिम्मा सौंपा है, जिनकी अपनी-अपनी विशेषता है। नड्डा को गोरखपुर और कानपुर क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलनों का जिम्मा मिला है। इन दो क्षेत्रों में कुल 114 विधान सभा सीटें हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते वह संगठन के मुखिया हैं और वोट डलवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले बूथ अध्यक्ष अंतिम छोर संभालते हैं। अब तक प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, जेपी नड्डा 22 नवंबर को गोरखपुर और 23 को कानपुर क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में शामिल होकर उनका हौसला बढ़ाएंगे। इसी तरह अमित शाह को यह जिम्मा सौंपे जाने के विशेष मायने हैं। वह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही उत्तर प्रदेश के प्रभारी भी रह चुके हैं। बूथ अध्यक्षों से सीधे रूबरू होने की राजनीतिक परंपरा उन्होंने ही 2014 के लोकसभा चुनाव में शुरू की थी। उनके पास पश्चिम और ब्रज क्षेत्र की जिम्मेदारी आई है। इन दो क्षेत्रों में कुल 136 विधान सभा सीटें हैं। कुशल रणनीतिकार के तौर पर अमित शाह यहां के बूथ अध्यक्षों को रण-कौशल सिखाएंगे। काशी और अवध के लिए राजनाथ सिंह को काफी प्रभावी माना जा रहा है। वह खुद मूल निवासी काशी के चंदौली के हैं और उनका लोकसभा क्षेत्र अवध में है। दोनों ही क्षेत्रों में उनकी मजबूत पकड़ के साथ निचले स्तर तक कार्यकर्ताओं से जुड़ाव है। अनुभवी राजनाथ 25 नवंबर को अवध का सम्मेलन सीतापुर में करेंगे, जबकि काशी के लिए जौनपुर को चुना है, जहां वह 27 को सम्मेलन करेंगे।

लखनऊ में होगा चार यात्राओं का समागम

पार्टी सूत्रों ने बताया कि विजय संकल्प यात्राओं के जरिए पूरे यूपी को मथने की तैयारी भाजपा ने कर ली है। अलग-अलग क्षेत्रों से कुल चार यात्राएं निकाली जानी हैं। बताया गया है कि आठ दिसंबर को सहारनपुर से पहली यात्रा शुरू होगी। एक यात्रा मथुरा और एक अयोध्या से निकाले जाने का विचार है। चौथी यात्रा वाराणसी से निकाली जा सकती है। इनका समापन एक साथ लखनऊ में बड़ी रैली के रूप में हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है। हालांकि अभी इन यात्राओं के कार्यक्रमों पर अंतिम मुहर नहीं लग सकी है।

प्रियंका गांधी के निजी सचिव सहित चार के खिलाफ केस दर्ज

» लखनऊ के हुसैनगंज थाने में हुई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस को उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापस लाने के बड़े जतन में जुटीं पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को उनकी टीम के लोग ही पीछे करने में लगे हैं। लखनऊ में प्रियंका गांधी के निजी सचिव सहित पार्टी के चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। राजधानी के हुसैनगंज थाना में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व प्रशासन प्रभारी योगेश दीक्षित और महासचिव शिव पांडेय के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

थाने में इन सभी के खिलाफ मारपीट और धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। लखनऊ के प्रशांत कुमार सिंह ने इन सभी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निजी सचिव संदीप सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले बीते वर्ष मई में कोरोना काल में अन्य प्रदेश से लोगों को लाने के लिए कांग्रेस की ओर से दी गई एक हजार बसों की सूची में फर्जीवाड़ा होने के बाद संदीप सिंह के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में केस दर्ज कराया गया था। प्रियंका के निजी सचिव संदीप सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में हजरतगंज कोतवाली में परिवहन अधिकारी आरपी त्रिवेदी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। यह मुकदमा भारतीय दंड विधान की धारा 420, 467 और 468 के तहत दर्ज किया गया। हजरतगंज कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में आरोप था कि कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए दी गई बसों की लिस्ट में शामिल कुछ वाहनों के नंबर दो पहिया, तिपहिया वाहनों के तौर पर दर्ज थे।

भाजपा की विदाई तक कोई ढिलाई नहीं : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जब तक भाजपा की विदाई नहीं तब तक कोई ढिलाई नहीं। यह नारा आज से लागू हो गया है। मैंने भारतीय जनता पार्टी का दरवाजा पूरी तरह से बंद कर दिया है। अब इस सरकार का सफाया निश्चित है। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने नौजवानों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। चुनाव से पहले रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और इलाज देने का वादा किया था लेकिन सभी सपनों को तोड़ दिया। गठबंधन की सरकार बनी तो रोजगार, अच्छी शिक्षा और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे समाजवादी पार्टी की देन है। जनता के मूड को भांपते हुए राजभर ने भोजपुरी में कहा कि खम्मा त हिलबे करी। जबले हूरल न जाई, सरकार तब तक ना बदली।

डबल इंजन सरकार की रफ्तार से विपक्ष परेशान : स्वतंत्र देव

» बसपा और कांग्रेस ने हमेशा भगवा रंग का किया अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने ट्वीट में लिखा है कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार की रफ्तार से विपक्ष परेशान हैं। अखिलेशजी सोच में डूबे हुए हैं कि कैसे 341 किलोमीटर लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन गया और एक रुपए का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ। यदि वो सत्ता में होते तो 2-लेन एक्सप्रेस-वे बनाते और बाकी 40-लेन का पैसा अपनी तिजोरी में भर लेते।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने हमेशा भगवा रंग के साथ साधु संतों और ऋषि मुनियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि इसी कारण सपा सहित अन्य विपक्षी दलों की यह दुर्दशा हुई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा और कांग्रेस ने तो हमेशा हिंदू धर्म का अपमान किया है और भगवान राम के अस्तित्व को भी नकारा है। उन्होंने कहा कांग्रेस और सपा नेताओं को खुद को हिन्दू कहने में भी शर्म आती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में संस्कार का होना आवश्यक है। अखिलेश यादव अपने पिता, चाचा और परिवार के नहीं हुए। जिन लोगों ने सपा को खड़ा करने में जीवन लगा दिया उनका भी अखिलेश ने अपमान किया। उन्होंने कहा कि इसलिए अखिलेश यादव के बयान पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 2022 के विधानसभा चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया।

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में जितिन प्रसाद बरी

» संदेह का लाभ देते हुए अदालत ने किया दोषमुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद को सात साल पुराने मामले में लखीमपुर की अदालत ने बरी कर दिया है। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मुकदमे में आरोप सिद्ध नहीं होने पर एडीजे तृतीय रामेंद्र कुमार ने जितिन प्रसाद को दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा, जिसके चलते संदेह का लाभ देते हुए अदालत ने जितिन प्रसाद को दोषमुक्त कर दिया। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान 25 अप्रैल को फ्लाइंग स्कवायड मजिस्ट्रेट वादी मुकदमा नरेश चंद्र ने थाना मितौली में तत्कालीन कांग्रेस प्रत्याशी जितिन प्रसाद व मितौली ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रामसागर मिश्रा के विरुद्ध चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल हुआ। हाईकोर्ट इलाहाबाद के आदेश पर मुकदमे का विशेष (एमपी-एमएलए कोर्ट) एडीजे तृतीय की अदालत में परीक्षण किया गया। अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए गवाह घटना को साबित करने में असफल रहे। जितिन प्रसाद ने अपने सफाई साक्ष्य में प्रशासनिक दबाव में झूठा मुकदमा दर्ज होना बताया। जितिन प्रसाद के अधिवक्ता राजीव अग्निहोत्री व पंकज शुक्ल ने अपनी बहस में कहा कि घटना का कोई स्वतंत्र गवाह पेश नहीं किया गया है। घटना संदिग्ध है। एडीजे रामेंद्र कुमार ने जितिन प्रसाद को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। मुकदमे के दौरान रामसागर मिश्रा की मौत हो गई।

न्याय पालिका पर पूरा भरोसा : जितिन

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि तत्कालीन सपा सरकार की कुंठित मानसिकता के कारण यह झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था। जितिन ने कहा कि उन्हें न्याय पालिका पर पूरा भरोसा था कि न्याय मिलेगा। इसी के चलते आज उन्हें दोषमुक्त किया गया।

मिशन यूपी : अब विपक्षी दलों में सेंध लगाने में जुटी भाजपा, कद्दावर नेताओं पर नजर

» तैयार किया ऑपरेशन 100 विपक्षी विधायक-पूर्व मंत्रियों की पार्टी में लाने की तैयारी

» सपा के चार एमएलसी को तोड़ने में रही कामयाब, सत्ता में वापसी का बना रही माहौल

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले भाजपा विपक्षी दलों में सेंध लगाने की तैयारी कर रही है। विपक्ष को हताश करने के लिए भाजपा ने ऑपरेशन-100 का प्लान बनाया है। इसके तहत सपा, बसपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के 100 नेताओं की लिस्ट तैयार की गई है। इन नेताओं को भाजपा नेतृत्व पार्टी में शामिल करने की तैयारी में है ताकि प्रदेश में यह संदेश दिया जा सके कि पार्टी सत्ता में वापसी कर रही है।

भाजपा ने यूपी में सपा, बसपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के 100 नेताओं को अपने साथ लाने की रणनीति बनाई है। विपक्ष के इन नेताओं की सूची तैयार कर शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक शीर्ष नेतृत्व ने इस पर हरी झंडी भी दे दी है। ये वे नेता हैं जो आने वाले दिनों में भाजपा का दामन थामेंगे। यूपी भाजपा के ज्वाइनिंग कमेटी के सदस्य और प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह के मुताबिक जल्द ही दूसरी पार्टियों के तमाम बड़े नाम भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसमें मौजूदा विधायक, एमएलसी, पूर्व मंत्री ,पूर्व विधायक और विपक्ष के कद्दावर नेता शामिल होंगे। बताया यह भी जा रहा है कि यूपी चुनाव से पहले भाजपा सपा के साथ-साथ बसपा को भी बड़ा झटका देगी। बसपा के कद्दावर नेता जल्द ही भाजपा का दामन थामेंगे, जिससे पार्टी और मजबूत होगी।

क्या है रणनीति

भाजपा की रणनीति है कि सभी नेताओं को एक साथ शामिल नहीं कराया जाएगा बल्कि धीरे-धीरे ज्वॉइनिंग कराई जाएगी। भाजपा एक दो दिन के अंतराल पर विपक्ष के कुछ-कुछ नेताओं को शामिल कराती रहेगी ताकि माहौल बना रहे और सियासी संदेश भी दिया जा सके। इसके लिए भाजपा ने उन नेताओं को साथ मिलाने का प्लान बनाया है, जिनका अपना राजनीतिक आधार है और वे चुनाव जीतने की ताकत रखते हैं।

सपा के चार एमएलसी थाम चुके दामन

सपा के मौजूदा विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, रमा निरंजन, सीपी चंद और रविशंकर सिंह उर्फ पप्पू ने सपा छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। गौरतलब है कि अखिलेश ने पिछले दिनों भाजपा के सीतापुर से मौजूदा विधायक राकेश राठौर को अपने साथ मिला लिया था। अब भाजपा अपने एक विधायक के जवाब में पहले सपा का एक विधायक शामिल कराया और फिर चार अन्य विधान परिषद सदस्यों को साथ मिला लिया है।

लखनऊ में पुरुषों के मुकाबले महिला वोटरों का अनुपात घटा

मतदाता सूची में लिंग अनुपात दुरुस्त करने की कोशिशें तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में महिला वोटरों को अधिक से अधिक जोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसकी काफी अहम वजह भी हैं। कई विधान सभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पुरुष के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या कम होती जा रही है, जो चिंता का विषय है। इसी को देखते हुए मतदाता सूची में लिंग अनुपात दुरुस्त करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। राजधानी में नौ विधान सभा सीटें हैं, जहां पर कहीं पर भी आयोग के मानकों के अनुसार महिला वोटर नहीं हैं।

हालांकि लखनऊ पूर्वी और मोहनलालगंज सीट पर आंकड़े बेहद उत्साहवर्धक हैं। मोहनलालनगंज में तो निर्धारित मानक से केवल एक महिला वोटर कम है। अगर प्रति एक हजार पुरुषों पर महिला वोटरों की बात करें तो लखनऊ पश्चिम सीट ऐसी है जहां पर सबसे कम महिला वोटर हैं। यहां पर प्रति एक हजार पुरुषों पर 854 महिला वोटर हैं। सरोजनीनगर विधान सभा का भी यही हाल है। यहां पर भी प्रति एक हजार पुरुष मतदाताओं पर साढ़े आठ सौ के करीब ही महिला वोटर हैं। आयोग का मानक है कि प्रति हजार पुरुष वोटरों पर न्यूनतम 906 महिला वोटर होनी चाहिए।

लखनऊ की सभी विधानसभा सीटों की बात करें तो यहां मलिहाबाद में 862, बख्शी का तालाब में 872, सरोजनीनगर में 854, पश्चिम में 854, उत्तर में 860, पूर्वी में 896, मध्य में 882, कैंट में 862 और मोहनलालगंज में 905 महिला वोटर हैं। इस तरह अगर जिले में लिंग अनुपात की बात करें तो औसतन प्रति एक हजार पुरुष वोटर पर महिला वोटर 871 के करीब हैं।

जिले में मतदाता

पुरुष	19,94,484
महिला	17,36,507
तृतीय लिंग	198
कुल	37,31,189
18-19 आयु वर्ग	23,400
टोल फ्री नंबर	1,950

वोटर बनने को कैसे करें आवेदन

फार्म 6	-	नए नाम का आवेदन
फार्म 6 क	-	प्रवासी का आवेदन
फार्म 7	-	मृत्यु या स्थान परिवर्तन
फार्म 8	-	संशोधन के लिए
फार्म 8 क	-	स्थानांतरण के लिए
एक नवंबर	-	पुनरीक्षण शुरू
30 नवंबर तक	-	आपत्तियां

पंजीकरण केंद्र

168 मलिहाबाद तहसील कार्यालय मलिहाबाद 0512-211038।

169 बक्शी का तालाब हनीमैन चौराहा, 0522-2727919।

170 सरोजनी नगर गोल मार्केट सेक्टर-डी एलडीए कालोनी कानपुर रोड, 0522-7968051।

171 लखनऊ पश्चिम जगनाथ प्रसाद साहू इंटर कालेज, 0522-2651100।

172 लखनऊ उत्तर आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ 0522-2339878।

173 लखनऊ पूर्व विकास भवन, 0522-2355617।

174 लखनऊ मध्य रौशनदौला कोठी, 0522-2629876।

175 लखनऊ कैंट कांशीरामजी ग्रीन ईको गार्डेन गीता पल्ली 0522-2451036।

176 मोहनलालगंज तहसील कार्यालय, मोहनलालगंज 0522-2979743।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जीका का खतरा और लापरवाह तंत्र

कोरोना संक्रमण के बीच उत्तर प्रदेश में अब जीका का खतरा भी बढ़ने लगा है। यह प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में पहुंच चुका है। अकेले कानपुर में जीका वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 140 हो चुकी है। एडीज मच्छर से फैलने वाला यह वायरस तेजी से फैलता है। बावजूद इसके प्रदेश के चिकित्सा विभाग से लेकर नगर निगम और नगर पालिकाएं तक लापरवाह बनी हुईं हैं।

कोरोना संक्रमण के बीच उत्तर प्रदेश में अब जीका का खतरा भी बढ़ने लगा है। यह प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में पहुंच चुका है। अकेले कानपुर में जीका वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 140 हो चुकी है। एडीज मच्छर से फैलने वाला यह वायरस तेजी से फैलता है। बावजूद इसके प्रदेश का चिकित्सा विभाग से लेकर नगर निगम और नगर पालिकाएं तक लापरवाह बनी हुईं हैं। सवाल यह है कि मच्छरों से फैलने वाले इस वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? अधिकांश शहरों में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग क्यों नहीं की जा रही है? आखिर नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? साफ-सफाई के लिए आने वाला बजट कहां खर्च हो रहा है? स्वास्थ्य विभाग भी जीका मरीजों के इलाज के लिए बेहतर बंदोबस्त क्यों नहीं कर पा रहा है? क्यों जीका के मरीजों को डेंगू मरीजों के साथ रखा जा रहा है? क्या सरकार ने कोरोना महामारी से कोई सबक नहीं सीखा है?

पिछले डेढ़ साल से यूपी समेत पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। हालांकि कोरोना की रफ्तार कम हुई है लेकिन यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ऐसी ही परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश में जीका वायरस ने अपने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। केसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसके अलावा डेंगू का प्रकोप भी बढ़ रहा है। जीका वायरस एडीज मच्छरों के काटने से फैलता है। बावजूद इसके मच्छरों की रोकथाम के लिए प्रदेश के अधिकांश जिलों में कोई फौरी कदम नहीं उठाए गए हैं। राजधानी लखनऊ में स्वच्छता अभियान के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। सड़कों और गलियों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं पुराने लखनऊ में जलभराव के कारण मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए न तो दवा का छिड़काव किया जा रहा है न ही फॉगिंग ही की जा रही है। यह स्थिति तब है जब यहां जीका वायरस के केस मिल चुके हैं और इसके बढ़ने की आशंका है। जब लखनऊ में यह हाल है तो शेष जिलों और शहरों के बारे में आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं अस्पतालों में जीका वायरस के इलाज की समुचित व्यवस्था तक नहीं की गई है। जांच के लिए लैब बेहद कम हैं और दूसरे शहरों से रिपोर्ट मंगाने में कई दिन लग जाते हैं। जाहिर है यदि सरकार जीका वायरस से निपटना चाहती है तो वह तत्काल अस्पतालों की व्यवस्था को दुरुस्त करे। विशेषज्ञ चिकित्सों को तैनात करे और जांच लैब की संख्या में इजाफा करे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो हालात खतरनाक हो सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इस आजादी पर विवेक का अंकुश जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

देश की जानी-मानी अदाकारा पद्मश्री कंगना रनौत को विवादों में बने रहना अच्छा लगता है, और अक्सर वे कुछ न कुछ ऐसा कहती रहती हैं, जिससे वे चर्चा में बनी रहें। ताजा उदाहरण देश की आजादी के संदर्भ में दिया गया वह बयान है, जिसमें उन्होंने यह कहा है कि आजादी हमें भीख में मिली थी। उसे लेकर उनका अच्छा-खासा विरोध हो रहा है, पर वे अपनी बात पर डटी हुई हैं। कुछ लोग इसे सौ साल की आजादी की लड़ाई में शहीद हुए देशभक्तों का अपमान बता रहे हैं और कुछ का कहना है कि यदि कंगना इस 'अपराध' के लिए क्षमा नहीं मांगती तो उनसे पद्मश्री का सम्मान वापस ले लिया जाना चाहिए। सरकार या राष्ट्रपति भवन ने इस बारे में चुप रहना ही बेहतर समझा है।

भीख में मिली आजादी वाली बात से सहमत होना संभव नहीं है, यह कथन और सोच अज्ञान का ही सूचक नहीं है, एक तरह की बीमार मानसिकता का भी परिचायक है। लेकिन जहां तक ऐसा समझने और कहने का सवाल है, कंगना रनौत समेत किसी को भी ऐसा करने का अधिकार है। हमारा संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार देता है और जनतांत्रिक मूल्यों का तकाजा है कि हर नागरिक के इस अधिकार की रक्षा की जाये। इस रक्षा का यह काम सरकार और समाज दोनों को करना होता है। लेकिन यहीं इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि संविधान प्रदत्त इस अधिकार के साथ विवेक का अंकुश भी लगा है। पद्मश्री से अलंकृत अदाकारा का यह अधिकार है कि वे अपनी बात कह सकें, पर मेरा भी यह अधिकार बनता है कि मैं कह सकूं कि कंगना आप गलत सोच रही हैं। कंगना रनौत ने अपनी विवादास्पद बात एक टीवी समाचार चैनल के एक कार्यक्रम में कही थी। मंच पर उनके साथ एंकर भी थी और उनके सामने प्रबुद्ध समझे जाने वाले आमंत्रित श्रोता भी थे। जब मंच से देश की आजादी को भीख कहा जा रहा था तो कार्यक्रम की एंकर ने 'इसीलिए आपको भगवा कहा जाता है' कह कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ ली थी। यह बात भी विचारणीय है कि उपस्थित श्रोताओं ने तालियां बजा कर फिल्मी अदाकारा के कथन का समर्थन किया था। क्या अर्थ निकाला जाये इस समर्थन का? क्या वे सब भीख वाली बात से सहमत थे? क्या उनमें से किसी को नहीं लगा कि देश की आजादी को भीख बताना उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है, जिन्होंने अपने प्राण इसलिए

न्योछावर कर दिये ताकि हम आज़ाद हवा में सांस ले सकें? क्या कार्यक्रम की एंकर का यह कर्तव्य नहीं बनता था कि वे कंगना रनौत की बात से असहमति जताती? जनतांत्रिक व्यवस्था में आपत्ति दर्ज करना बहुत अहम होता। यह नागरिक की जागरूकता का ही प्रमाण नहीं है, इस अधिकार का दुरुपयोग करने वाले को चेतावनी भी है कि वह मर्यादाओं का पालन करे। कंगना ने अपनी बात के समर्थन में जो तर्क रखने की कोशिश की है, वे भी कुतर्क की ही श्रेणी में आते हैं। उनका कहना है कि यदि कोई यह प्रमाणित कर दे कि भीख में मिली आजादी वाली बात कह कर उन्होंने शहीदों का अपमान किया है तो वे पद्मश्री वापस लौटा देंगी। सवाल सम्मान लौटाने का नहीं है, सवाल है सम्मान की रक्षा करने का। कंगना रनौत की सोच वाले लोग यह मानते हैं कि भले ही हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने 15 अगस्त 1947 को विदेशी शासन का जुआ उतार फेंका था, पर असली आजादी हमें सन् 2014 में ही मिली है। वर्ष 2014 यानी प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने का वर्ष। यह कैसे भुलाया जा सकता है कि अपनी सरकार चुनने का यह अधिकार भी उसी आजादी का परिणाम है जो महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, तिलक, गोखले, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे लाखों सेनानियों ने हमें दिलायी थी। यह उन सबके बलिदान और त्याग-तपस्या का ही परिणाम है कि आज हम दुनिया में सिर उठाकर जीने लायक बने हैं। उस आजादी को भीख में मिली आज़ादी समझना-कहना शहीदों का अपमान नहीं तो क्या है?

समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के चार स्तम्भों पर खड़ा हमारा संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है, ताकि हम खुल कर अपनी बात कह सकें, अपने प्रतिनिधियों और अपने नेताओं से सवाल पूछ सकें, सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस जुटा सकें। सवाल उठाने और घटिया विवादों की धूल उड़ाने में अंतर होता है। आजादी के इस 75 सालों में हमारी सरकारों ने क्या किया, यह पूछने का हक बनता है हमें, समय-समय की सरकारों की नीतियों और उनके क्रियान्वयन पर भी प्रश्नचिन्ह लगाये जा सकते हैं। यह हमारा कर्तव्य है। जागरूक नागरिक आजादी की रक्षा करने वाला सिपाही होता है।

तबादला नीति को पारदर्शी बनाने की जरूरत

अनूप भटनागर

अधिक न्यायाधीशों वाले बड़े उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों का तबादला न्यूनतम न्यायाधीशों की क्षमता वाले सिक्किम और मेघालय जैसे उच्च न्यायालयों में करने के कॉलेजियम के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं। इस तरह के फैसले निश्चित ही न्यायपालिका में पारदर्शिता के अभाव की ओर संकेत कर रहे हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि अमुक मुख्य न्यायाधीश को सजा के रूप में न्यूनतम न्यायाधीशों वाले उच्च न्यायालय में भेजा जाता है। मद्रास उच्च न्यायालय, जिसके न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 75 है, के मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी का मेघालय उच्च न्यायालय, जिसमे दो न्यायाधीश ही हैं, तबादला भी ऐसे ही सवाल उठा रहा है।

न्यायमूर्ति ताहिलरमानी के बाद न्यायमूर्ति बनर्जी और न्यायमूर्ति माहेश्वरी के तबादलों की घटनाओं ने सहसा राष्ट्रीय न्यायिक आयोग कानून, को असंवैधानिक घोषित करने की संविधान पीठ की अक्टूबर, 2015 की व्यवस्था में अल्पमत के न्यायमूर्ति जे चेलमेश्वर के फैसले में कॉलेजियम की कार्यशैली के बारे में टिप्पणियों की याद ताजा कर दी। न्यायमूर्ति चेलमेश्वर ने कॉलेजियम की बैठक और नामों के चयन की प्रक्रिया पर असहमति जाहिर की थी। मद्रास उच्च न्यायालय के वकील इस तबादले को लेकर आंदोलित हैं और उन्होंने प्रधान न्यायाधीश को इस संबंध में पत्र भी लिखा है। पहले भी अधिक न्यायाधीशों वाले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का सिक्किम उच्च न्यायालय तबादला होने की खबरें आती थीं। लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों में उच्च न्यायालयों के सृजन के बाद बड़े उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का तबादला मेघालय किये जाने की खबरें सामने आ रही हैं। आमतौर पर ऐसे तबादले को सजा के रूप में भी देखा जाता है। यह सही है कि प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के तबादले की अनुशंसा करती है और इस पर केन्द्र सरकार के माध्यम से राष्ट्रपति निर्णय लेते हैं। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी के तबादले को उनकी अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा 26 अप्रैल को निर्वाचन आयोग के बारे में की गयी सख्त टिप्पणी से भी जोड़ा जा रहा है। इस पीठ ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराने संबंधी मौखिक टिप्पणी की थी और कहा था कि आयोग पर हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का तबादला मेघालय उच्च न्यायालय करने की यह लगातार दूसरी घटना है। इससे पहले, शीर्ष अदालत की कॉलेजियम की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने सितंबर, 2019 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजया ताहिलरमाणी का भी मेघालय उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया था। हालांकि, न्यायमूर्ति ताहिलरमानी ने मेघालय जाने की बजाय अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

आंध्र प्रदेश में 37 सदस्यीय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी का दिसंबर, 2020 में तीन सदस्यीय सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद पर किया गया था। इस तबादले को राज्य के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी सरकार के साथ टकराव की स्थिति से जोड़ा जा रहा था लेकिन चंद महीनों बाद ही न्यायमूर्ति माहेश्वरी की पदोन्नति हो गयी और उन्हें उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बना दिया गया। इसी तरह की घटना 85 सदस्यीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीके राय के साथ हुई थी। न्यायमूर्ति राय का पहले 24 सदस्यीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया और इसके बाद 2005 में उन्हें तीन न्यायाधीशों वाले सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बना दिया गया था। न्यायमूर्ति राय ने न्यायाधीश पद से इस्तीफा देने की बजाय सिक्किम उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश का पद ग्रहण किया जहां से वह दिसंबर, 2006 में सेवानिवृत्त हुए।

इसी तरह, भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरन को भी 62 सदस्यीय कर्नाटक उच्च न्यायालय से तीन सदस्यीय सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था। इसके बाद उन्हें उच्चतम न्यायालय भेजने की कवायद चल रही थी लेकिन इसी बीच न्यायमूर्ति दिनाकरण को न्यायाधीश के पद से हटाने की महाभियोग प्रक्रिया शुरू हो गयी थी जिस वजह से उन्होंने जुलाई, 2011 में इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति गीता मित्तल पदोन्नति के साथ 17 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पहली मुख्य न्यायाधीश बनीं जबकि इससे पहले न्यायमूर्ति गीता मित्तल 60 सदस्यीय दिल्ली उच्च न्यायालय की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थीं।

जरूरी है कि उच्चतर न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उनके तबादले की नीति अधिक पारदर्शी बनायी जाये और तबादले के मामले में किसी भी प्रकार का विवाद उठने पर ऐसा करने की वजह सार्वजनिक की जाए ताकि मुख्य न्यायाधीशों के तबादलों को लेकर वकीलों को आंदोलन का सहारा नहीं लेना पड़े।

स्किन की हेल्थ के लिए जरूरी है विटामिन सी

आमतौर पर हमलोग इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में ही ज्यादा जानते हैं लेकिन विज्ञान में यह बात साबित हो चुकी है कि विटामिन सी स्किन को जवां रखने के लिए सबसे जरूरी विटामिन है। यह स्किन को समय से पहले एजिंग की समस्या से छुटकारा दिलाता है, सूरज की रोशनी से रक्षा करता है और दाग, धब्बे, कील-मुंहासे से बचाने में मदद करता है। विटामिन सी का मतलब है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स के गुण मौजूद हैं। यानी पॉल्यूशन, सूर्य की रोशनी आदि के कारण स्किन पर फ्री रेडिकल्स का जो हमला होता है, उनसे लड़ने के लिए सबसे पहले विटामिन सी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आगे आते हैं और इनसे स्किन की रक्षा करते हैं। फ्री रेडिकल्स एक प्रकार से टॉक्सिन ही है। स्किन के लिए फ्री रेडिकल ही सबसे बड़ा दुश्मन है।

विटामिन सी के इस्तेमाल से झुर्रियां गायब हो जाती है

हार्वर्ड मेडिकल जर्नल के मुताबिक कुछ शोधों में यह बात साबित हो चुकी है कि विटामिन सी स्किन की झुर्रियों को खत्म करने में बहुत कारगर है । एक अध्ययन में पाया गया कि रोजाना तीन महीनों तक विटामिन सी के इस्तेमाल से चेहरे और गर्दन से झुर्रिया गायब हो गई जबकि स्किन का ऑवरऑल टेक्स्चर बहुत बढ़िया हो गया। विटामिन सी सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से भी स्किन की रक्षा करता है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि विटामिन सी के साथ फेरुलिक एसिड और विटामिन ई को मिक्स करके चेहरे पर लगाया जाए, तो चेहरे से लाल धब्बे भी हट जाते हैं ।

इन फूड से भी प्राप्त कर सकते हैं विटामिन सी

विटामिन सी सीरम में उपलब्ध होता है। कई ब्यूटी कंपनियां आजकर विटामिन सी सीरम को उपलब्ध कराने लगी है। कंपनियां इसे विभिन्न तरह से तैयार करती है। विटामिन सी सीरम को बनाते समय यह ध्यान रखा जाता है कि इसका पीएच लेवल 3.5 से नीचे न रहे। हालांकि विटामिन सी सीरम खरीदते समय अच्छी कंपनियां और भरोसेमंद दुकान से ही खरीदना चाहिए।

विटामिन सी के लिए डाइट

शरीर में कुदरती तरीके से भी विटामिन सी की मात्रा बढ़ाई जा सकती है । संतरे, हरी और लाल शिमला मिर्च, केल, ब्रोकली, पपीते, स्ट्रॉबेरी, अनानास, कीवी और आम में विटामिन सी खूब पाया जाता है। इन चीजों का सेवन न सिर्फ स्किन बल्कि ऑवरऑल हेल्थ के लिए बेहतर होता है। विटामिन सी दिल से संबंधित जटिलताओं को भी कम करता है। एनीमिया के इलाज के लिए विटामिन सी का इस्तेमाल किया जाता है । विटामिन सी की मदद से शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा कर बीमारियों से बचा जा सकता है ।

कील-मुंहासों की समस्या से छुटकारा

विटामिन सी में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी पाया जाता है, इस कारण यह स्किन के नीचे से आने वाले कुदरती तेल के उत्पादन में मदद करता है। विटामिन सी का चेहरे पर इस्तेमाल डार्क स्पॉट को खत्म कर देता है। एक क्लिनिकल ट्रायल में पाया गया कि दिन में दो बार चेहरे पर विटामिन सी का इस्तेमाल मुहांसे की समस्या को दूर कर देता है।

कहानी — भाई जैसा

बादशाह अकबर छोटे थे, जब उनकी मां का देहांत हुआ था। महल में तब एक दासी रहती थी, जिसका शिशु भी दुधमुंह था। वह नन्हें अकबर को दूध पिलाने को राजी हो गई। दासी का वह पुत्र व अकबर दोनों साथ-साथ दासी का दूध पीने लगे। दासी के पुत्र का नाम हुसिफ था। समय बीतता रहा। अकबर बादशाह बन गए, लेकिन हुसिफ की मित्रता जुआरियों के साथ थी। एक समय ऐसा आया जब हुसिफ के पास भोजन के लिए भी पैसे न थे। हुसिफ एक दिन बादशाह अकबर के पास पहुंचा। हुसिफ के दरबार में पहुंचते ही बादशाह ने उसे ऐसे गले लगाया जैसे उसका सगा भाई ही हो। हुसिफ को अकबर ने दरबार में नौकरी दे दी। रहने के लिए बड़ा मकान और घोडागाड़ी भी दी। फिर बोला-कुछ और जरूरत हो तो कह डालो। हुसिफ बोला मैं महसूस करता हूं कि बीरबल जैसे बुद्धिमान व योग्य व्यक्ति के साथ रहूं। बादशाह अकबर ने हुसिफ की यह इच्छा भी पूरी करने का फैसला किया। उन्होंने बीरबल को बुला कर कहा बीरबल! हुसिफ मेरे भाई जैसा है। वह तुम्हारे जैसा योग्य सलाहकार चाहता है। बीरबल बोले जैसी आपकी आज्ञा हुजूर! यह कह कर बीरबल सोच ही रहे थे कि समस्या को हल कैसे किया जाए, तभी पास की पशुशाला से सांड के रंभाने की आवाज आई। आखिरकार उसे अपने भाई जैसा कोई मिल ही गया था। अगले दिन उस सांड के साथ बीरबल महल में जाकर अकबर के सामने खड़े हो गए। अकबर ने पूछा बीरबल, तुम अपने साथ इस सांड को लेकर क्यों आए हो ? बीरबल बोले यह मेरा भाई है बादशाह सलामत! हम दोनों एक ही मां का दूध पीकर बड़े हुए हैं। गऊ माता का दूध पीकर। इसलिए यह सांड मेरे भाई जैसा है दूध भाई। यह बोलता भी बहुत कम है। इसे हुसिफ को दे दें, उसकी इच्छा पूरी हो जाएगी। बीरबल का उत्तर सुनकर अकबर को अपनी गलती का एहसास हो गया।

शिक्षा-एक ही माता का दूध पीकर जब दो बालक बड़े हो जाते हैं, तब उनके विचार भी एक जैसे नहीं रहते। एक किसी और दिशा में सोचता है, तो दूसरा किसी और दिशा में। बादशाह ने यह सोचकर हुसिफ को बीरबल के साथ रहने को कहा था कि बीरबल जैसे योग्य मंत्री के साथ रहने पर उसके भी विचार बदलेंगे। लेकिन बीरबल के बुद्धि-चातुर्य ने बादशाह की इस धारणा को खारिज कर दिया।

10 अंतर खोजें

हंसना मना है

बाप : तुम्हारे का क्या रहा? बेटा : प्रिंसिपल का बेटा फेल हो गया। बाप : तुम। बेटा : मेजर साहब का बेटा भी फेल हो गया। बाप : और तुम। बेटा : डॉक्टर साहब का बेटा भी फेल हो गया। बाप गुस्से से : बेवकूफ, मैं तुमसे पूछ रहा हूं। तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? बेटा : तो आप कौन से प्रधानमंत्री हो जो आपका बेटा पास हो जाएगा...उसके बाद तो... दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल

चंपक की पत्नी गुस्सा होकर मायके चली जाती है चंपक अपनी ससुराल में फोन करता है, उधर से सास की आवाज आती है, कितनी बार कहा है, तुमसे अब वो तुम्हारे घर नहीं आएगी तो क्यों बार-बार फोन करते हो यहां? चंपक : कुछ नहीं बस सुनकर अच्छा लगता है... सास ठीक है फिर कल से मैं भी साथ में आ जाती हूं एक महीने के लिए चंपक बेहोश

डॉक्टर : चश्मा किसके लिए बनवाना है? पप्पू : टीचर के लिए। डॉक्टर : पर क्यों? पप्पू : क्योंकि उन्हें मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

वृषभ — कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी। पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी।

मिथुन — कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे। आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं।

कर्क — शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें। पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह — संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं। संतान की इच्छा पूरी होगी।

कन्या — प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी। नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा।

तुला — सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है। संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं।

वृश्चिक — धनार्जन होगा। पूँजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा। कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें।

धनु — दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दुखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है। स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा।

मकर — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं।

कुम्भ — कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन — नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को ब?ा सकता है। दांपत्य जीवन में विश्वास ब?ेगा। कामकाज की गति बनी रहेगी।

'बनारस' का फर्स्ट लुक रिलीज

गंगा नदी के बीच रोमांस करते दिखे जैद खान-सोनल मोंटेरो

बनारस का पहला मोशन पोस्टर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका एक्टर जैद खान और एक्ट्रेस सोनल मोंटेरो निभा रहे हैं। फिल्म को हिन्दी सहित कन्नड़, तेलुगू, तमिल और मलायलम भाषा में एक साथ रिलीज किया जाएगा। इस मेगा बजट की फिल्म को निर्देशक जयतीर्थ डायरेक्ट किया है, जबकि फिल्म के निर्माता तिलकराज बल्लाल हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर कमाल का बन पड़ा है, जिसे देखकर लग रहा है कि फिल्म मेकर्स ने फिल्म को बड़े स्केल पर बनाया है। इसे टी-सीरीज ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर जारी किया है।

'बनारस' का मोशन पोस्टर एनिमेशन के रूप में है। मोशन पोस्टर में बनारस के घाटों, गंगा नदी और मंदिरों को दिखाया गया है। ऐसा लग रहा है कि शिव की नगरी काशी में प्रलय आ गया है। फिर जैद खान और सोनल नजर आते हैं। दोनों को रोमांटिक पोज में दिखाया गया है। अंत में बैकग्राउंड में 'गंगा मैया' का जयकारा सुनाई देता है। फिल्म की कहानी अभी तक सामने नहीं आई है। मगर मोशन पोस्टर को देखकर

अंदाजा लगया जा सकता है कि फिल्म में जबरदस्त लव स्टोरी है। जैद और सोनल के किरदारों के प्रेम संबंधों की वजह से बनारस में खलबली मच जाती है। फिल्म की अधिकतर शूटिंग बनारस में हुई है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने ट्वीट कर फिल्म 'बनारस' के फर्स्ट लुक की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में इस बात का जिक्र किया है कि यह फिल्म अगले साल 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म के मोशन पोस्टर को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। साथ ही जैद और सोनल के लुक की भी तारीफ फैंस कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण लंबे समय से चल रहा है। साल 2019 में पहली बार इस फिल्म की चर्चा मीडिया में हुई थी।

कुंडली भाग्य फेम श्रद्धा आर्या ने राहुल संग लिए सात फेरे

टी वी शो कुंडली भाग्य फेम श्रद्धा आर्या 16 नवंबर को शादी के बंधन में बंध गई हैं। एक्ट्रेस ने नेवी अफसर राहुल शर्मा के साथ सात फेरे लिए। अब शादी की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। श्रद्धा आर्या ने डेटिंग के बाद नेवी ऑफिसर राहुल के साथ शादी की है। इस शादी के लिए श्रद्धा के फैंस बेहद एक्साइटेड थे। काफी समय से श्रद्धा शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में थीं और सभी दूल्हे का चेहरा देखना चाहते थे। आखिरकार अब श्रद्धा के दूल्हे की फोटो सामने आ गई है।

मैरून और गोल्डन जोड़े में दुल्हन बनीं श्रद्धा बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इसी के साथ उन्होंने लहंगे से मैचिंग करती हुई जूलरी कैरी की, जिसमें उनका ब्राइडल लुक देखते ही बनता है। श्रद्धा ने अपने ब्राइडल लुक को हैवी नेकलेस, मांग टीका, नथनी और खूबसूरत कलीरों

के साथ कंप्लीट किया है। सामने आए इनसाइड वीडियो में आप देख सकते हैं कि इस दौरान श्रद्धा आर्या और राहुल के बीच शानदार बॉन्डिंग देखने को मिली। कभी दोनों एक दूसरे को निहारते तो कभी पूरी तरह से एक दूसरे में खोए दिखाई दे रहे थे। एक्ट्रेस के ब्राइडल लुक से लोगों के लिए नजरें हटाना मुश्किल हो गया है।

बता दें कि श्रद्धा आर्या ने डेटिंग के बाद नेवी ऑफिसर राहुल के साथ शादी की है। इस शादी के लिए श्रद्धा आर्या के फैंस बेहद एक्साइटेड थे, ऐसे में शादी की तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही काफी तेजी से वायरल हो रहे हैं। श्रद्धा के चाहने वाले उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर बधाई दे रहे हैं। अब श्रद्धा और राहुल की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस दोनों को जिंदगी की इस नई शुरुआत के लिए ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। फैंस के अलावा दोस्तों और फिल्मी हस्तियों भी दोनों को बधाइयां दे रहे हैं। फैंस भी लंबे समय से इनकी शादी का इंतजार कर रहे थे।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रीति जिंटा 46 साल की उम्र में बनीं जुड़वा बच्चों की मां

बॉलीवुड की क्यूट एक्ट्रेस प्रीति जिंटा के घर अपार खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, एक्ट्रेस जुड़वा बच्चों की मां बन गई हैं। ये खुशखबरी उन्होंने खुद अपने सभी चाहने वालों को दी। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर अपना पोस्ट करते हुए अपनी लाइफ का ये सबसे खूबसूरत पल फैंस के साथ शेयर किया है। साथ ही उन्होंने खुद बताया है कि उनके घर दोगुनी खुशियां आई हैं। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में एक्ट्रेस पति जीन गुडइनफ के साथ दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा है। प्रीति ने लिखा, मैं आज आपके साथ हमारी शानदार खबर शेयर करना चाहती हूं। मैं और जीन आज बहुत खुश हैं। हमारे दिलों में बहुत ग्रैटिट्यूड और प्यार भर गया है, क्योंकि हमारे घर जुड़वा बच्चों Jai Zinta Goodenough और Gia Zinta Goodenough का जन्म हुआ है। प्रीति ने अपनी इस पोस्ट में आगे बताया कि वह सेरोगेसी के जरिए मां बनी हैं। उन्होंने लिखा, हम जिंदगी के इस नए फेज के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। हमारी इस अविश्वसनीय जिंदगी का हिस्सा बनने के लिए डॉक्टर्स, नर्स और हमारी सेरोगेट का दिल से शुक्रिया। बहुत सारा प्यार। अब एक्ट्रेस का ये पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस जिंदगी के इस नए पड़ाव के लिए प्रीति को ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कि प्रीति ने 2016 में जीन गुडइनफ से शादी की थी।

वो खतरनाक मछली जिसके मुंह में होते हैं 555 दांत, ब्लेड की धार से भी होती है तेज

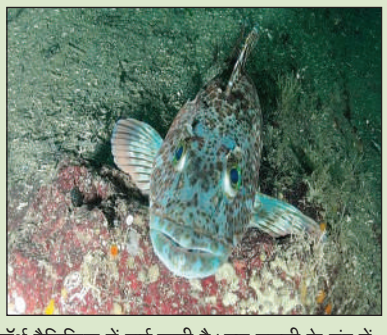

दुनिया में कई तरह के जीव मौजूद हैं। चाहे जमीन हो या समुद्र, जीव-जंतुओं की संख्या कभी गिनी नहीं जा सकती। आए दिन कोई ना कोई अजीबगरीब जीव नजर आ ही जाता है। इन दिनों साइंटिस्ट्स के हाथ एक ऐसी मछली लगी है, जिसके दांत उसे चर्चा में ले आए हैं। इस मछली का नाम पैसिफिक लिंगकोड है। ये मछली नॉर्थ पैसिफिक में पाई जाती है। इस मछली के मुंह में 555 दांत होते हैं, जिनकी धार ब्लेड से भी तेज होती है। अगर इस मछली के मुंह में आपकी अंगुली गई, तो उसका बच पाना मुश्किल है। चौड़े मुंह वाली इस मछली के मुंह में करीब 555 दांत होते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मछली के मुंह से हर दिन करीब बीस दांत गिरते हैं। इनके दांत देखकर ही कोई डर जाए। इसके दांत इतने धारदार होते हैं कि अगर किसी इंसान की अंगुली इसमें आ जाए, तो वो बाहर नहीं आ पाएगा। स्टडी में ये बात भी सामने आई कि हर दिन इस मछली के करीब बीस दांत टूटते हैं। जब ये मछली बड़ी होती है तो इसके दांत 50 सेंटीमीटर तक हो जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मछली के दांत डेढ़ मीटर तक होते हैं। इस मछली के दांत इंसान जैसे नहीं होते लेकिन होते काफी तेज हैं। ये बेहद छोटे होते हैं। लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक इन मछलियों के मुंह में दो सेट दांत होते हैं। साइंटिस्ट्स इस मछली को सिर्फ इनके दांतों के लिए स्टडी करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन लैबोरेट्री ने करीब 20 मछलियां को स्टडी के लिए पकड़ा है। इनके दांत इतने छोटे होते हैं कि वो खुली आंखों से नजर नहीं आते। इनके दांत के लिए रिसर्चस ने टंकी में लाल रंग का डाई मिलाया। इसके बाद माइक्रोस्कोप से देखने पर इनके लाल दांत नजर आए थे, जिस टंकी में इन 20 मछलियों को रखा गया था, वहां से कुछ दिनों बाद जब इन्हें हटाया गया तब टंकी से करीब 10 हजार दांत निकाले गए थे।

अजब-गजब | 50 हजार आवेदनों में से चुने गए सिर्फ दो लोग

ये है दुनिया का सबसे अनोखा द्वीप जहां मिली इस दंपति की नौकरी

दुनिया का ज्यादातर देशों में बेरोजगारी का आलम ये है कि एक नौकरी के लिए हजारों युवा आवेदन कर देते हैं। लेकिन किस्मत किसी एक की ही खुलती है। आज हम आपको एक ऐसे दंपति के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें 50 हजार से ज्यादा आवेदनों में से चुना गया। मामला आयरलैंड के डबलिन का है। जहां एक वैकेंसी के लिए दुनियाभर से 50 हजार आवेदन आए थे। इस नौकरी के लिए एक स्थानीय कपल ने भी आवेदन किया था। हालांकि कपल नौकरी करता था लेकिन वह किसी अच्छी लोकेशन पर नौकरी करने की सोच रहा था लेकिन 50 हजार आवेदनों में से उनका चुना जाना किसी चमत्कार से कम नहीं है। बता दें कि इस नौकरी के लिए केयर टेकर के रूप में आयरलैंड के एक सुनसान टापू ग्रेट ब्लास्केट आइलैंड पर भेजा जाता है।

बता दें कि इस सुनसान आइलैंड पर ना ही बिजली है, ना ही इंटरनेट है और ना ही कोई आधुनिक सुविधा है, लेकिन खाने-पीने और रहने के लिए बहुत ही अच्छा इंतजाम किया गया है। इस टापू पर रहना स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है। इस अनोखी नौकरी के लिए एक कपल ने अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ दी और घर भी बेच दिया। बता दें कि एनी बर्नी और इयोन बॉयल को इसी साल वेलेंटाइन-डे के दिन कॉल आया कि आप

विजेता बन गए हैं और आपको ये नौकरी दी जाती है। इस नौकरी को आपको मार्च में ज्वाइन करना है। कपल ने कहा कि उन्हें ये पता नहीं था दुनिया से कटे इस टापू पर आधुनिक सुविधा के बिना कैसे जीवन संभव होगा। कपल ने इसके लिए अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ दी। यही नहीं उन्होंने नौकरी के लिए अपना घर भी बेच दिया। लेकिन उसी दौरान लॉकडाउन हो गया। उसके बाद इस दंपति ने इसी साल जून में ऐसे में जून में ज्वाइन कर लिया। बता दें कि इस नौकरी के लिए आए विज्ञापन में बताया गया था कि आइलैंड पर बगैर बिजली और इंटरनेट के फुल टाइम रहना है। बर्नी और बॉयल इस विज्ञापन को पढ़कर नई लाइफ के सपने देखने लगे कि कितना अच्छा होगा, जब बिजी लाइफ ना हो और ना ही कोई भगदौड़ हो। बिना टेंशन के दिन में काम करो, खाओ-पियो और आराम करो। जून के अंत में इन्हें आइलैंड पर आने का मौका मिला। बता दें कि अब बर्नी और बॉयल को यहां तीन कॉटेज का ध्यान रखना होता है। उनका काम सुबह 9 बजे शुरू होता है, जिसमें गेस्ट के लिए कॉटेज तैयार करना, सफाई के बाद भोजन का प्रबंध करना आदि काम शामिल हैं। बॉयल ने बताया कि इस सुनसान टापू पर रहने का मतलब है कि आधुनिक सुविधाओं से दूर रहना। बिना फ्रिज के भोजन रखना, बिना बिजली के घर का काम करना।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार, अयोध्या और प्रयागराज में स्नान करने के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूर्य उपासना के महीने कार्तिक मास के अंतिम स्नान पर्व कार्तिक पूर्णिमा पर अयोध्या के सरयू, हरिद्वार के हरकी पैड़ी और संगम नगरी प्रयागराज में गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी और बलुआ घाट में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। दूर-दूर से आए लाखों-हजारों श्रद्धालु कालिंदी की धारा में डुबकी लगाने के बाद सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं और भगवान कार्तिकेय की पूजा-अर्चना कर साल भर अपने परिवार के निरोग रहने की कामना कर रहे हैं।

सूरज की पहली किरण निकलने से पहले ही हजारों श्रद्धालु इकट्ठे हो गए थे। कई घाटों पर तो तिल रखने की भी जगह नहीं बची। ग्रह नक्षत्रों के दुर्लभ संयोग की वजह से इस बार कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का विशेष महत्व है। यहां आने वाले श्रद्धालु स्नान और पूजा-अर्चनाके साथ ही दान-पुण्य भी कर रहे हैं। मान्यताओं के मुताबिक कार्तिक पूर्णिमा के ही दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का जन्म हुआ था, जबकि स्रष्टि के पालनहार भगवान विष्णु ने आज ही के दिन मत्स्यावतार रूप धारण किया था। इस कारण कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान और पूजा अर्चना करने वाले को अक्षय पुण्य और स्वस्थ जीवन की प्राप्ति होती है। इसी वजह से संगम नगरी प्रयागराज में त्रिवेणी की धारा में स्नान करने वालों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है।

लखनऊ के गोमतीनगर में तीन दिन कपड़े सुखाने पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक दिवसीय कार्यक्रम राजधानी में प्रस्तावित है। वो 22 नवंबर को लखनऊ में होंगे। पुलिस मुख्यालय में तीन दिवसीय ऑल इंडिया डीजीपी कॉन्फ्रेंस में पीएम मौजूद रहेंगे। 19 से 22 नवंबर तक कॉन्फ्रेंस चलेगी। इसमें प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत कई बड़ी शख्सियत शामिल होंगी, इसलिए पुलिस मुख्यालय के चारों तरफ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

22
नवंबर को डीजीपी कॉन्फ्रेंस में आएंगे पीएम मोदी

पीएम की सुरक्षा में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात रहेंगे। आस-पास के रिहायशी इलाकों पर नजर रखने के लिए अपार्टमेंट की छतों पर स्नाइपर मौजूद रहेंगे। इसी वजह से क्षेत्र की ऊंची बिल्डिंग में रहने वाले हर व्यक्ति को बालकनी में कपड़े फैलाने पर रोक लगी हुई है। सरस्वती अपार्टमेंट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष को इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार की ओर से पत्र दिया गया है। पत्र में कार्यक्रम के दौरान अपार्टमेंट में किसी नए व्यक्ति के आने पर पुलिस को सूचना देने के लिए कहा गया है। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए गोमती नगर विस्तार में ऊंची बिल्डिंगों पर स्नाइपर की दर्जनों यूनिट को कार्यक्रम के पहले दिन से ही घरों की छतों पर स्नाइपर तैनात होने हैं। जो लगातार हाई रिजोलुशन कैमरों से हर तरफ निगरानी करेंगे। डीएम अभिषेक प्रकाश ने देर रात कार्यक्रम स्थलों का दौरा किया।

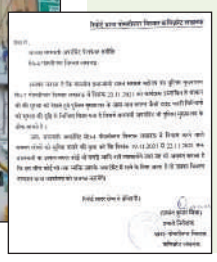

सरस्वती अपार्टमेंट में लोगों को नोटिस

गोमती नगर विस्तार में पुलिस मुख्यालय के आसपास बनें हुए सरस्वती अपार्टमेंट सहित कुछ अपार्टमेंट में लोगों को एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें वीवीआईपी सेक्योरिटी को बताया गया है। तीन दिन तक अपार्टमेंट में रहने वालों को बालकनी में कपड़े सुखाने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही ये भी कहा गया है कि यदि इन दिनों में कोई नया व्यक्ति मकान किराए पर लेने आए तो उसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

दोनों राज्यों के बीच छोटे बड़े भाई जैसे संबंध : धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लखनऊ के दौरे पर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की। इसके बाद दोनों मुख्यमंत्रियों ने राज्य के अफसरों के साथ बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि बैठक में दोनों राज्यों के बीच 21 साल से चल रहा विवाद खत्म हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने बड़ा दिल दिखाते हुए विवादों के निपटारे पर अपनी सहमति दी है। दोनों राज्य बड़े भाई-छोटे भाई जैसे हैं। इस निर्णय से दोनों ही राज्यों के लोगों को उनका हक मिलेगा। उन्होंने बताया कि 5700 हेक्टेयर भूमि पर संयुक्त सर्वे होगा। जो जमीन यूपी के काम की है वो यूपी को मिल जाएगी शेष उत्तराखंड को मिल जाएगी। यूपी सरकार बनवास-किच्छा बैराज का पुनर्निर्माण कराएगी। हरिद्वार का होटल उत्तराखंड को मिल जाएगा। किच्छा में बस स्टॉप की जमीन उत्तराखंड को मिल जाएगी। यूपी सरकार ने वाटर स्पोर्ट को भी शुरू करने की अनुमति दे दी है। जबकि कुछ मुद्दों के निपटारे के लिए 15 दिन का समय मांगा गया है। यूपी सरकार उत्तराखंड कोर्ट में चल रहे मुकदमे वापस लेगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 दिन बाद सभी परिसंपत्तियों के विवाद हल हो जाएंगे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री योगी का आभार जताया।

धर्म बदल शादी करने पर रजिस्ट्रेशन रोकने का कोई हक नहीं : हाईकोर्ट

» बालिग जोड़े को जरूरत के मुताबिक सुरक्षा व संरक्षण देने का निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में केंद्र सरकार को समान नागरिक संहिता लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अवैध धर्म परिवर्तन कानून 2021 विपरीत धर्म मानने वाले जोड़े को शादी करने पर रोक नहीं लगाता है। कोर्ट ने कहा निबंधक को यह अधिकार नहीं है कि वह जिला प्राधिकारी से धर्म परिवर्तन की अनुमति नहीं लिए जाने के आधार पर शादी का पंजीकरण रोके रखें।

कोर्ट ने कहा जिला प्राधिकारी का धर्म परिवर्तन का अनुमोदन बाध्यकारी नहीं, निर्देशात्मक है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा अखिल विपरीत धर्मों के बालिग जोड़े की शादीशुदा जिंदगी, स्वतंत्रता व निजता में सरकार या प्राइवेट किसी व्यक्ति को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने पुलिस को विपरीत धर्मों के शादीशुदा बालिग जोड़े को जरूरत के मुताबिक सुरक्षा व संरक्षण देने का निर्देश दिया है और विवाह पंजीकरण अधिकारी को जिला प्राधिकारी के अनुमोदन का इंतजार न कर तत्काल पंजीकरण करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि किसी ने धोखाधड़ी या गुमराह किया है तो पक्षकारों को सिविल व आपराधिक कार्यवाही करने का अधिकार है। कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश का पालन करने के लिए सर्कुलर जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार है। यह मान्यताओं या विश्वास का विषय नहीं है। विपरीत धर्मों के जोड़े को शादी करने के लिए किसी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। दो बालिग जोड़े यदि विवाह के लिए सहमत हैं तो ऐसी शादी वैध होगी।

बिहार में भी यूपी जैसा एक्सप्रेस-वे बनाने का नीतीश सरकार का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में भी अब यूपी जैसा एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा। नीतीश सरकार ने इसका ऐलान किया है। ये एक्सप्रेस-वे पटना से कोलकाता के बीच बनाया जाएगा। इससे 550 किलोमीटर की यात्रा आसान हो जाएगी। दरअसल, यूपी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन तो हुआ बिहार में भी इसी तरह के एक्सप्रेस-वे की मांग उठने लगी।

चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में इस तरह के निर्माण के लिए नीतीश कुमार को और कितने कार्यकाल चाहिए? इसके बाद बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन पटना से कोलकाता के बीच एक्सप्रेस वे के निर्माण का ऐलान कर दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में भी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी सड़क देखने को मिलेगी। सरकार बहुत जल्द पटना-कोलकता एक्सप्रेसवे बनाएगी। हम देहाती क्षेत्रों को मुख्य सड़क से कनेक्ट कर रहे हैं। बिहार की कनेक्टविटी को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भारतमाला-2 के तहत पटना-कोलकाता एक्सप्रेस के तहत सड़क बिहारशरीफ के बाद पूरी तरह से नई होगी। पटना से कोलकाता एक्सप्रेस-वे बिहार की पहली सड़क होगी जो एक्सेस रिस्ट्रिक्टेड होगी। ये पटना-बख्तियारपुर फोर लेन होते हुए बख्तियारपुर-रजौली से निकलेगा। नालंदा (बिहारशरीफ) से इसका एलायनमेंट अलग हो जाएगा, जिस रास्ते से ये रोड आगे बढ़ेगा उस पर अभी कोई सड़क नहीं है। नितिन नवीन ने आगे बताया कि गंगा नदी के लिए 12 पुल स्वीकृत हो चुके हैं। जेपी पुल के बगल में ही नया फोरलेन बनेगा। दरभंगा पथ का टेंडर इसी महीने हुआ है। आमस-दरभंगा पथ का काम बहुत जल्द शुरू हो जाएगा।

अमित शाह पहुंचे लखनऊ, करेंगे डीजीपी सम्मेलन का शुभारंभ

तीन दिनी 56वां डीजीपी सम्मेलन आज से, पीएम मोदी का संबोधन कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की आंतरिक सुरक्षा को मुस्तैद करने के लिए बड़े जतन कर रही मोदी सरकार अब आतंकवाद से लेकर साइबर अपराध पर अंकुश लगाने की बड़ी तैयारी में है। इसको लेकर लखनऊ में आज से आयोजित होने जा रहे 56वें डीजीपी सम्मेलन में मंथन होगा। दोपहर डेढ़ बजे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ पहुंच चुके हैं और कुछ ही देर में सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे।

उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित हो रहे पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षकों (आइजी) के 56वें वार्षिक सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 और 21 नवंबर को भागीदारी करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ देश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी साइबर अपराध, आतंकवाद विरोधी चुनौतियों, वामपंथी उग्रवाद, मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के नई तरीकों से लेकर जेल सुधार और पुलिस आधुनिकीकरण से जुड़े अन्य मुद्दों पर मंथन करेंगे। देश की आंतरिक सुरक्षा पर सिलसिलेवार चर्चा होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख लखनऊ में डीजीपी मुख्यालय, गोमतीनगर में होने वाले इस सम्मेलन में भाग लेंगे। साथ ही शेष आमंत्रित पुलिस अधिकारी आईबी/राज्य आईबी मुख्यालयों में 37 विभिन्न स्थानों से वर्चुअल माध्यम से सम्मेलन में भागीदारी करेंगे। सम्मेलन में अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, आईबी व सीबीआई के निदेशक तीनों दिन भागीदारी करेंगे। सम्मेलन का मुख्य आयोजन डीजीपी मुख्यालय के नौवें तल पर होगा। कार्यक्रम में लगभग 68 अतिथि रहेंगे। बता दें कि वर्ष 2014 से इस वार्षिक सम्मेलन का आयोजन दिल्ली के बाहर आरंभ किया गया है। बीते वर्ष कोरोना संक्रमण के चलते डीजीपी सम्मेलन का वर्चुअल आयोजन हुआ था।

डीजीपी मुख्यालय में प्रधानमंत्री करेंगे रात्रिभोज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रात करीब 8:45 बजे झांसी से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और राजभवन जाएंगे। 20 नवंबर की सुबह नौ बजे प्रधानमंत्री राजभवन से सड़क मार्ग से डीजीपी मुख्यालय पहुंचकर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। शाम सात बजे प्रधानमंत्री डीजीपी मुख्यालय से वापस राजभवन जाएंगे और रात आठ बजे वापस डीजीपी मुख्यालय पहुंचेंगे और रात्रिभोज में शामिल होंगे। 20 नवंबर की रात भी प्रधानमंत्री राजभवन में ठहरेंगे और 21 नवंबर की सुबह करीब 9:20 बजे डीजीपी मुख्यालय पहुंचकर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद शाम करीब 4:10 बजे प्रधानमंत्री डीजीपी मुख्यालय से अमौसी एयरपोर्ट जाएंगे और वहां से दिल्ली रवाना होंगे।

लखनऊ में आंशिक कोहरे के साथ बूंदाबांदी

» अगले दो दिन और छाए रहेंगे बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम बदलने के साथ ही साथ लखनऊ में वायु गुणवत्ता का भी बुरा हाल चल रहा है। आज सुबह लखनऊ के कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई, जिससे ठंड में थोड़ा इजाफा हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार सुबह-सुबह लखनऊ के आसपास इलाकों में हुई बूंदाबांदी ने सिहरन बढ़ा दी है।

वहीं आज सुबह 9:45 तक लखनऊ का एंबिएंट वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वॉलिटी इंडेक्स) 244 रहा। गुरुवार देर शाम तक भी एक्यूआई 241 रहा था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार एक्यूआई का यह स्तर खराब की श्रेणी में है। मौसम विज्ञान

विभाग के अनुसार सुबह हरदोई, लखनऊ, कानपुर एयरफोर्स के साथ पश्चिमी यूपी में झांसी, उरई और आसपास के इलाकों में बूंदाबांदी हुई है। साथ ही आसार हैं कि दिन में तापमान गिरेगा और बादल छाए रहेंगे। आने वाले दिनों में प्रदेश के उत्तरी हिस्से में मौसम साफ रहेगा। इसके अलावा दक्षिणी हिस्से में झांसी, महोबा, चित्रकूट और मध्य प्रदेश से सटे जिलों में आंशिक बारिश की संभावना है। तापमान की बात की जाए तो शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 17.0 वहीं अधिकतम तापमान 25.5 रिकॉर्ड किया गया है।

लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर के दोनों साइड लगेंगे सोलर पैनल: रंजन

» शेष बिजली से शहर की कई अन्य इमारतें भी होगी रोशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर के साइड स्लोप्स पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे कि कई मेगा वॉट प्रदूषण मुक्त ऊर्जा का उत्पादन होगा। इससे न सिर्फ ग्रीन कॉरिडोर में लगाए जाने वाले पोल लाइटों को बिजली की आपूर्ति होगी बल्कि शेष बिजली से शहर की कई अन्य इमारतें भी रोशन होगी।

एलडीए अध्यक्ष/ मंडलायुक्त रंजन कुमार की अध्यक्षता में प्राधिकरण भवन में हुई लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की बैठक में इसका प्रस्ताव दिया गया। इसके अलावा परियोजना के लिए लैंड बैंक बनाने के लिए समस्त विभागों से उनके पास उपलब्ध सम्पत्तियों का विवरण मांगा गया। इस दौरान कई विभागों द्वारा आंकड़ों

सहित भूमि का विवरण उपलब्ध कराया गया, अध्यक्ष द्वारा समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं अन्य विभागों को दो दिन के अन्दर लैंड बैंक का डाटा उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। बैठक में सर्वप्रथम प्रोजेक्ट इम्प्लीमेन्टेशन यूनिट के सदस्य एके सेंगर ने ग्रीन कॉरिडोर का प्रेजेन्टेशन दिया, जिसमें सभी सदस्यों से सुझाव भी मांगे गए।

लखनऊ का बदलेगा परिदृश्य

बैठक के अंत में अध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर से न सिर्फ लखनऊ का परिदृश्य बदलेगा, बल्कि यह प्रदेश के विकास के लिए मार्गदर्शक प्रोजेक्ट का भी काम करेगा। लिहाजा हम सबको मिलकर इस परियोजना को सफल बनाना है, जिसके लिए कार्य में तेजी लानी होगी। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि कई स्थानों पर सूखी हर/निष्प्रयोज्य भूमि है, जिस पर अतिक्रमण का खतरा रहता है। इस पर अध्यक्ष रंजन कुमार ने ऐसी सभी भूमि को चिन्हित कर डाटा उपलब्ध करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने नगर निगम को हस्तांतरित 69 पंचायत भवन की सम्पत्तियों का विवरण दिया।

अगले हफ्ते से सूर्यास्त के बाद भी पोस्टमार्टम!

अंग्रेजों के जमाने से चल रहा कानून होगा खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार द्वारा सूर्यास्त के बाद पोस्टमार्टम किए जाने के आदेश को जल्द यूपी में अमली जामा पहनाया जाएगा। दिन में ही पोस्टमार्टम किए जाने के अंग्रेजों के जमाने के बनाए गए कानून को बीती 15 नवंबर को समाप्त कर दिया गया था। फिलहाल प्रदेश में पोस्टमार्टम हाउस की स्थिति का आंकलन किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि एक-दो दिन में आदेश जारी कर दिया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि एक-दो दिन में इसे लेकर आदेश जारी करने की तैयारी की जा रही है। पोस्टमार्टम हाउस की स्थिति का आंकलन किया जा रहा है। इसके लिए जरूरी मानव संसाधन जुटाया जाएगा। फिलहाल अब आगे पोस्टमार्टम के लिए मृतक के परिजन और रिश्तेदारों को बेवजह इंतजार नहीं करना होगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

महानिदेशक डा. वेदब्रत ने बताया कि अभी कुछ मामलों में डीएम की अनुमति लेकर रात में पोस्टमार्टम किया जाता है। आगे बिना अनुमति मृतक का पोस्टमार्टम सूर्यास्त के बाद किया जा सकेगा। गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को बताया था कि अंग्रेजों के समय की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। नए प्रोटोकॉल के अनुसार अंगदान के लिए पोस्टमार्टम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए और सूर्यास्त के बाद भी उन अस्पतालों में किया जाना चाहिए, जिनके पास नियमित आधार पर इस तरह के पोस्टमॉर्टम करने के लिए बुनियादी सुविधा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार किसी भी संदेह को दूर करने और कानूनी मकसद के लिए रात में सभी पोस्टमॉर्टम के लिए पोस्टमॉर्टम की वीडियो रिकार्डिंग की जाएगी। हालांकि इसमें हत्या, आत्महत्या, बलात्कार, सड़ चुके शव और संदिग्ध मामलों में पोस्टमॉर्टम नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध होने पर भी सूर्यास्त के बाद भी अंगदान के लिए पोस्टमॉर्टम पर जोर देना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।